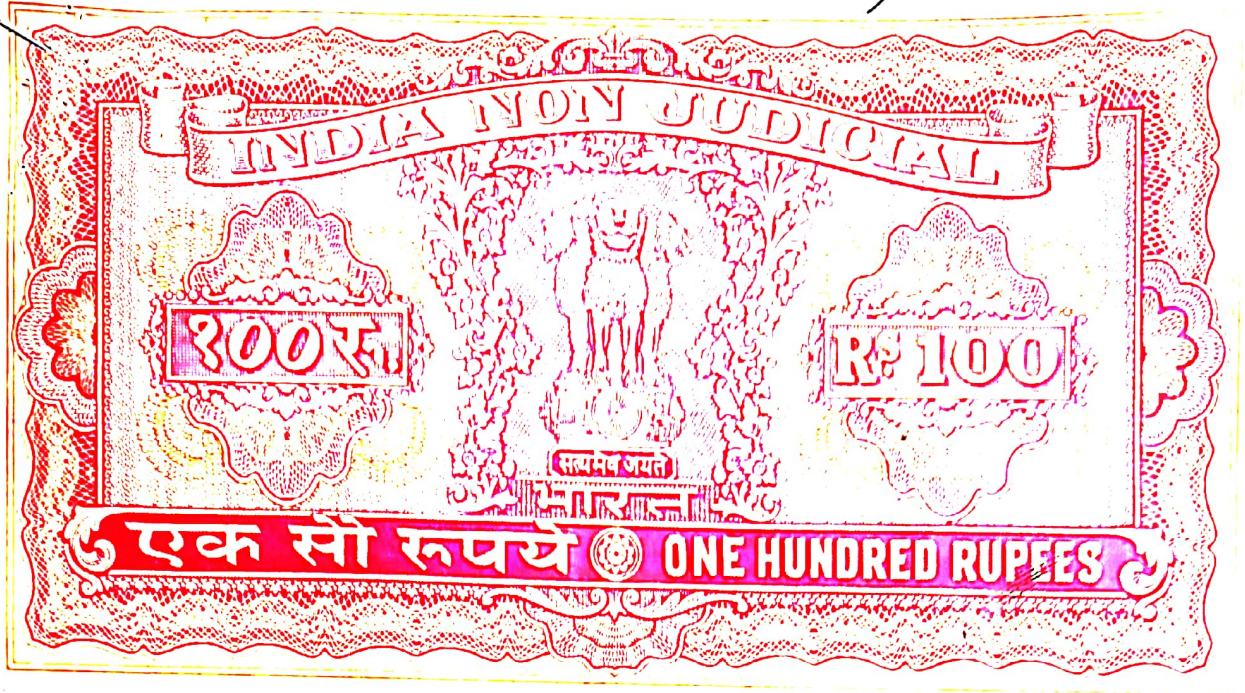


7148

સાચી કોપી કરવામાં આવી છે - 710

7023 - 100Rs



*(Handwritten signature)*

*(Faded purple stamp)*  
 સ્કાન કરેલ છે  
 23

સાંકેતક નામ સિંઘ  
 6/6/83

મન - 120904-6-8-83 *(Wider Atrial)*  
 6.6.83

*(Handwritten calculations)*  
 સિંઘ - 110-25  
 મન - 7-80  
 -----  
 118-05  
 સ્કાન - 2-50  
 પુસ્તક - 94  
 -----  
 121-49  
 યુ ગિલ

૧) લેખકવાળા નાજા - શ્રી રાજેન્દ્ર નાથ સિંઘ  
પિતા: હિન્ન માઈ કાળિ રાજેન્દ્ર સેખા  
ભણ્ણી સાર્થિક સળાકુકમા આમા ડ  
લેખા શ્રીમવાદ।

૨) લેખકવાળા લલિતા - શ્રીમતી નરેન્દ્ર નાથ રાજેન્દ્ર  
શ્રીમતી રશ્મિમ હર રાજેન્દ્ર પિતા: શરિવામ  
રાજેન્દ્ર કાળિ સોરજેન્દ્ર સેખા ભણ્ણી  
સાર્થિક સળાકુકમા આમા ડ લેખા  
શ્રીમવાદ।

૩) વિદ્યન્ય સોમ લેખકવાળાનલિ  
 ૪) મુલ્ય ૨૦૦૦ પાઈ રાજેન્દ્ર  
લેખા = 1

M 1508 Enron 6/6/83 180

Rajendra Prasad Singh  
Kafalaspur, 100760 + 20  
Members

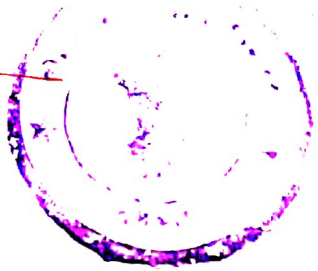
1007

Mostly

Muchallam

राजेंद्र नाथ सिंह  
मीम लख  
अबाकुलिया  
राजपुर  
6.6.83

राजेंद्र नाथ सिंह  
6/6/83

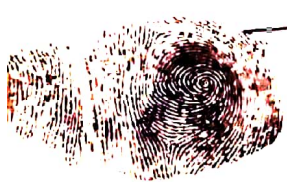


राजेंद्र नाथ सिंह

पुष्पल मंडल -  
पंचायत मंडल  
पुष्पल मंडल



84  
प.39/83 राजेंद्र नाथ सिंह (6/6/83)  
लखलख

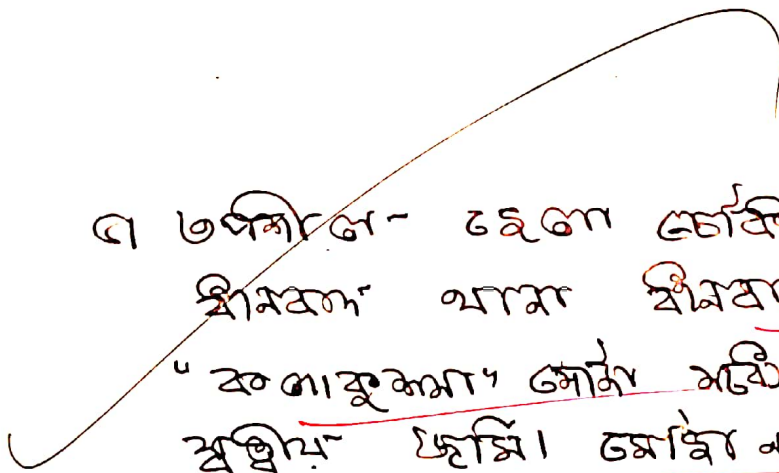


85  
प.39/83  
पुष्पल मंडल  
6/6/83

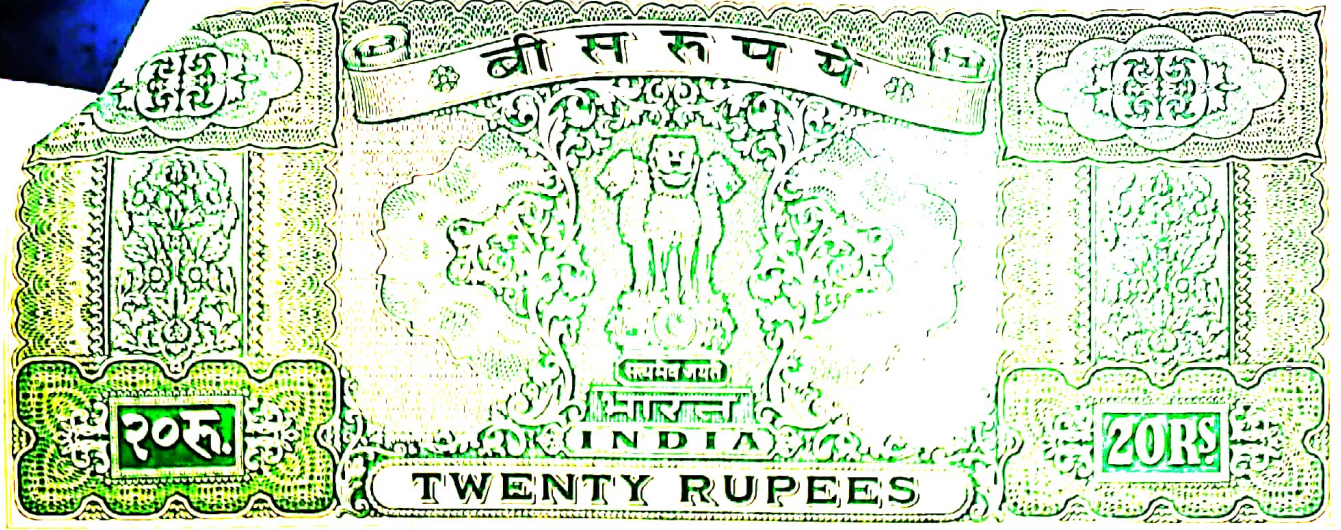
विपिन साठविया  
6.83



રાજેશ્વર વાલજી શેઠી  
6/1/83



૧) ૭૫૦૦૦ - ૬૬૦૦૦ જેટલી મદદ - રેફરેન્સ  
શ્રીમદ્માયા શ્રીમદ્માયા અનુક્રમિત  
" સુભાગ્યવતી" જોડા મલ્ટી-પાર્ટિયર રાઈસીંગ  
સુભાગ્ય જીવિતી જોડા ૧૫. ૨૨ વાર  
જાણતા ૧૫. ૨૨ વાર - માર્ગિત બુક નમ્બર  
૨) ૬૬ નવમ્બર નમ્બર કિચલ ૭૯ ૨૫૦૦  
સગનાતી ૭૫ જે જેવિતી પ્રિમિલ નામ  
વિજ્ઞાન સમિતીમાં યાશર જોડા ૩૬૨  
શાંતિવાસ મલ્ટી નમ્બર ૧૨૨૫ નામ મલ્ટી  
પૂર્ણ ૧૨૨૫ નામ મલ્ટી નામ મલ્ટી  
જોડા ૩૬૨ =



सिंद

सज्जंद नाम

6/6/53

ॐ इति आशा विभवान् देवदेहि  
 अयिन्दा देवदेहि कृत एत इ. इति  
 ४।१।७७ सागेर ७७४७ ७ ७७४४ वा  
 देवदेहि नति इति इति इति इति  
 इति इति इति इति इति इति इति  
 इति इति इति इति इति इति इति

इति ॐ इति इति इति इति इति इति  
 इति इति इति इति इति इति इति

॥

०

राजेंद्र नाथ सिंह  
 6/6/83

\* कस्य विक्रय-घोष्य देखावाणा मजिद पत्र दिग्  
 कार्यदेखणे विवरण प्रई वे आताय जाण्मासिक-  
 धरात कस्य देखावा विवरण प्रभातून शंभराय  
 उपकीण अनिंत देखि आपनादिजते ५००० चाँकराधु  
देखा झेण्डे विक्रय करिया मधुनदेहे निश्चय  
 शंभाय। विक्रीत हाक देखिते आताय स्याय-  
 उपकीणवेय-याश दिग् सुप्रविकार दिग् ताश  
 शंभे विवरणेय कस्य विक्रीत शंभाय। यावतिय-  
 सुप्र आपनादिजत्याय उपकीण प्रभे अर्जिजा १०  
 कतिआ। आपनादिजते शंभे हाक विक्रीत देखिते  
 आताय यावतिय-सुप्र सुप्रवान शंभे ताश दिग्-  
 द्यात कि प्रभाविती आदि स्याय देखावायत उते  
 नाम विक्रय आदि मधुनकार शंभुकर कस्यवेय  
 मधुनकारे कतिकाल सुप्र कारादि जावयेय यदेखुय  
 मधुन भूय देखा मधुन दगरीते थावुन। विक्रीत  
 हाक देखिते-राशरीय शक्ति थावुन. ७७ पत्रआ  
 प्रतिआर मादिगा देखि विवर मधुनकारे स्यायय  
 आपय दिवने ७ दिग् वाहेर देक मादिगा देखिने।  
प्रतिआर सुप्रवे-मधुन देखा नजान करिया कारिय-  
आदि देखिय-विक्रय पत्र देखावाणा मजिद  
 मधुनकारे दगरीगाय। इतिथन २७ २० याद २२के  
देखा क यत्नि ५।५। ७७ जनिम कत विवरीय याद  
 देखा देहे। शंभेदे देखाय आदि आताय सुप्रवाय कस्य शंभे  
 नजानदेखिने नशिया उतादिगाय। उतादिगाय-आ  
 आताय सुप्रवाय प्रभातून मजिद सा वेलाकरया